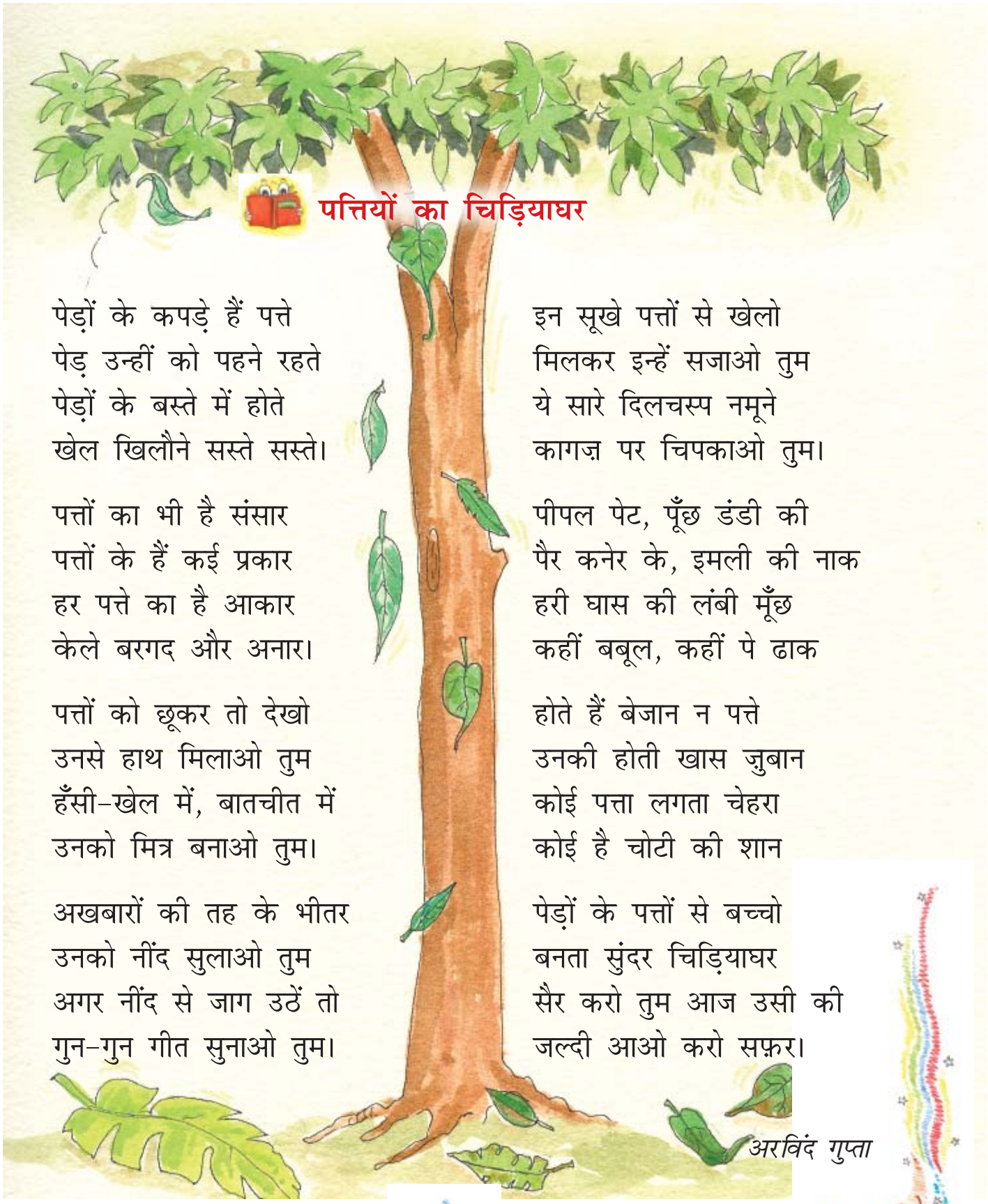

पत्तियों का चिड़ियाघर

पेड़ों के कपड़े हैं पत्ते
पेड़ उन्हीं को पहने रहते
पेड़ों के बस्ते में होते
खेल खिलौने सस्ते सस्ते।

पत्तों का भी है संसार
पत्तों के हैं कई प्रकार
हर पत्ते का है आकार
केले बरगद और अनार।

पत्तों को छूकर तो देखो
उनसे हाथ मिलाओ तुम
हँसी-खेल में, बातचीत में
उनको मित्र बनाओ तुम।

अखबारों की तह के भीतर
उनको नींद सुलाओ तुम
अगर नींद से जाग उठें तो
गुन-गुन गीत सुनाओ तुम।

इन सूखे पत्तों से खेलो
मिलकर इन्हें सजाओ तुम
ये सारे दिलचस्प नमूने
कागज़ पर चिपकाओ तुम।

पीपल पेट, पूँछ डंडी की
पैर कनेर के, इमली की नाक
हरी घास की लंबी मूँछ
कहीं बबूल, कहीं पे ढाक

होते हैं बेजान न पत्ते
उनकी होती खास ज़ुबान
कोई पत्ता लगता चेहरा
कोई है चोटी की शान

पेड़ों के पत्तों से बच्चो
बनता सुंदर चिड़ियाघर
सैर करो तुम आज उसी की
जल्दी आओ करो सफ़र।

अरविंद गुप्ता